



उत्तर:- निम्नांकित शब्द -समूहों को पढ़ो और समझो —

क) कड़.घा, पतड़.ग, चञ्चल, ठण्डा, सम्बन्ध।

ख) कंधा, पतंग, चंचल, ठंडा, संबंध।

ग) अक्षुण, समिमलित, दुअन्नी, चवन्नी, अन्न।

घ) संशय, संसद, संरचना, संवाद, संहार।

ड) अंधेरा, बाँट, मुँह, ईंट, महिलाएँ, में, मैं।

ध्यान दो कि ङ्.,ब्.,ण्.,न्.,म् ये पाँचों पंचमाक्षर कहलाते हैं। इनके लिखने की विधियाँ तुमने ऊपर देखीं — इसी रूप में या अनुस्वार के रूप में। इन्हें दोनों में से किसी भी तरीके से लिखा जा सकता है और दोनों ही शुद्ध हैं। हाँ, एक पंचमाक्षर जब दो बार आए तो अनुस्वार का प्रयोग नहीं होगा, जैसे — अम्मा, अन्न आदि। इसी प्रकार इनके बाद यदि अंतस्थ य, र, य, व और ऊष्म श, ष, स, ह आदि हों तो अनुस्वार का प्रयोग होगा, परंतु उसका उच्चारण पंचम वर्णों में से किसी भी एक वर्ण की भाँति हो सकता है ; जैसे — संशय, संरचना में ‘न्’, संवाद में ‘म्’ और संहार में ‘ङ्.’। (ं) यह चिह्न है अनुस्वार का और (ँ) यह चिह्न है अनुनासिका का। इन्हें क्रमशः बिंदु और चंद्र-बिंदु भी कहते हैं। दोनों के प्रयोग और उच्चारण में अंतर है। अनुस्वार का प्रयोग व्यंजन के साथ होता है अनुनासिका का स्वर के साथ।

21. निम्नलिखित शब्दों के पर्याय लिखिए –

ईमान	
बदन	
अंदाज़ा	
बेचैनी	
गम	
दर्ज़ा	
ज़मीन	
ज़माना	
बरकत	

उत्तर:-

ईमान	धर्म, विश्वास
बदन	शरीर, काया
अंदाज़ा	अनुमान, आकलन
बेचैनी	व्याकुलता, अकुलाहट
गम	दुःख, पीड़ा
दर्जा	श्रेणी, पदवी
ज़मीन	पृथ्वी, धरा
ज़माना	युग, काल
बरकत	लाभ, इज़ाफ़ा

22. निम्नलिखित उदाहरण के अनुसार पाठ में आए शब्द-युग्मों को छाँटकर लिखिए –

उदाहरण : बेटा-बेटी

उत्तर:- खसम – लुगाई, पोता-पोती, झाड़ना-फूँकना,
छन्नी – ककना, दुअन्नी-चवन्नी।

23. पाठ के संदर्भ के अनुसार निम्नलिखित वाक्यांशों की व्याख्या कीजिए –

बंद दरवाज़े खोल देना, निर्वाह करना, भूख से बिलबिलाना, कोई चारा न होना, शोक से द्रवित हो जाना।

उत्तर:- • बंद दरवाज़े खोल देना – प्रगति में बाधक तत्व हटने से बंद दरवाज़े खुल जाते हैं।

• निर्वाह करना – परिवार का भरण-पोषण करना।

• भूख से बिलबिलाना – बहुत तेज भूख लगना।

• कोई चारा न होना – कोई और उपाय न होना।

• शोक से द्रवित हो जाना – दूसरों का दुःख देखकर भावुक हो जाना।

***** END *****